SEMESTER - 4, BY - Dr. Shyam Bihari Choudhary ③

Page →

TOPIC - Sample Size

प्रतिदर्श का आकार

Date 10 / 05 / 20

इस क्रम मे यहाँ एडम्स और शेवानेवेल्ट Adams & Schevaneveldt, 1991 : 183) के अनुसार - नियम यह है कि अध्ययन / अनुसन्धान की समष्टि जितनी अधिक समजातीय होती है सांयोगिक प्रतिचयन प्रक्रिया को ध्यान मे रखकर उस समष्टि विशेष की विशेषताओं को प्रतिबिम्बित करने के सन्दर्भ मे उतना ही छोटा प्रतिदर्श काम मे लाया जाता है।

प्रतिदर्श के आकार के बारे मे निर्णय निम्न बातों पर निर्भर करता है :

- अनुसन्धान समष्टि की प्रकृति ।
- वांछित स्तरों या उपसमूहों की संख्या
- अनुसन्धान का प्रकार या शैली
- अध्ययन किये जाने वाले कारक की विचलनशीलता
- कम से कम प्रतिचयन त्रुटि सुनिश्चित करते हुए शुद्धता की आवश्यकता
- प्रयुक्त प्रतिदर्श का प्रकार
- प्रदत्त संकलन के लिए प्रयुक्त विधि
- वांछित प्रदत्त विश्लेषण का प्रकार
- वांछित परिशुद्धता की मात्रा
- अध्ययन मे शामिल और विश्लेषण किये गए चरों की संख्या
- समय, परिश्रम, और धन आदि संसाधनों की उपलब्धता